UNITED NATIONS
संयुक्त राष्ट्र

मानव अधिकार दिवस

10 दिसम्बर 2023

संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंतोनियो गुटेरेश का सन्देश

"मानव मात्र स्वतंत्र और समान गरिमा एवं अधिकारों के साथ जन्म लेता है।"

सार्वभौम मानव अधिकार घोषणा का यह शाश्वत प्रथम वाक्य आज भी उतना ही महत्त्वपूर्ण है जितना 75 वर्ष पहले घोषणा के अनुमोदन के समय था।

सार्वभौम घोषणा, युद्ध समाप्त कराने, भेद मिटाने और सबको शान्ति एवं गरिमापूर्ण जीवन देने में सहायक रूपरेखा प्रदान करती है।

किन्तु विश्व आज इसे भूलता जा रहा है। युद्ध भड़क रहे हैं। ग़रीबी और भुखमरी का बोलबाला है। असमानताएँ गहरी हो रही हैं। जलवायु संकट ने मानव अधिकार संकट का रूप ले लिया है जो सबसे लाचारों पर सबसे कड़ा प्रहार कर रहा है।

अधिनायकवाद बढ़ रहा है। नागरिक विमर्श संकुचित हो रहा है और मीडिया पर चारों तरफ़ से हमले हो रहे हैं। जैण्डर बराबरी दूर का सपना है और महिलाओं से प्रजनन अधिकार छीने जा रहे हैं।

आज सभी मानव अधिकारों- सामाजिक, सांस्कृतिक, आर्थिक, नागरिक एवं राजनीतिक- को प्रोत्साहन एवं सम्मान देना पहले से कहीं अधिक ज़रूरी है क्योंकि ये अधिकार हमें संरक्षण प्रदान करते हैं।

सार्वभौम घोषणा ऐसे साझे मूल्यों एवं तरीकों का मार्ग दिखाती है जो तनाव शान्त करने और हमारी दुनिया के लिए आवश्यक सुरक्षा एवं स्थिरता लाने में सहायक हो सकता है।

वैश्विक संरचनाओं को अद्यतन एवं 21वीं शताब्दी में अधिक असरदार बनाते समय हमें मानव अधिकारों को अनूठी एवं केन्द्रीय भूमिका देनी ही होगी। मैं सदस्य देशों से आग्रह करता हूँ कि 75वीं वर्षगाँठ और भविष्य शिखर सम्मेलन में सार्वभौम घोषणा के शाश्वत मूल्यों के प्रति अपना संकल्प दृढ़ करें।

इस मानव अधिकार दिवस पर मैं विश्वभर के निवासियों से आग्रह करता हूँ कि हर दिन, हर व्यक्ति के लिए और हर जगह, मानव अधिकारों को प्रोत्साहन एवं समर्थन दें।